>

Title: Need to set up a Regulatory Commission to check the menace of 'Paid news' in the country.

श्री सज्जन वर्मा (देवास): "पेड न्यूज़ " एक भयानक रोग और विभीषिका के रूप में राजनैतिक क्षेत्र में और सम्पूर्ण पत्रकारिता जगत में फैल चुका है, मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि जिस तरह देश में बहुत सारे क्षेत्रों में जैसे बिजली (ऊर्जा), वितरण, उत्पादन और पार्यषण तथा इसकी दरें निर्धारित करने के लिए नियामक आयोग बने हैं, उसी तरह "पेड न्यूज़ " के व्यापार को रोकने के लिए भी एक नियामक आयोग बनायें, जो सम्पूर्ण अधिकार सम्पन्न हो, जिसमें कठोर दण्ड देने के प्रावधान निहित हों। क्योंकि कुछ समाचार पत्र खासकर चुनावों के समय पैसा लेकर विरोधाभाषी खबरें छापते हैं इससे खबरों की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न चिन्ह लगता है और कभी कभी वर्षों से सामाजिक और राजनैतिक जीवन में ईमानदारी से काम करने वाले लोगों के विरूद्ध विरोधियों से पैसा लेकर ऐसी बेबुनियाद खबरें छाप देते हैं जिससे जीवन की भी तपस्या भंग हो जाती है।